

विद्या -भवन बालिका ,विद्यापीठ ,लखीसराय

नीतू कुमारी ,वर्ग -पंचम ,विषय- हिंदी, दिनांक--01-05-2021.

एन.सी.ईआर.टी पर आधारित

पाठ -2 दादी मां का पत्र

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आप सबों को दीर्घ उत्तरीय प्रश्न और लघु उत्तरीय प्रश्नों को हल करने दिया गया था | हमें पूर्ण विश्वास है कि आप सबों ने प्रश्नों को हल करके अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखे होंगे तथा याद भी किए होंगे | आज आपको उसी पाठ से शेष प्रश्न दिया जा रहा है जो इस प्रकार है -

व्यक्तियों मिलाकर वाक्य पूरा कीजिए :

(क) इससे पता चलता है कि तुम	कि वे मुझे गंभीरता से नहीं सुनेंगे।
(ख) मैं कुछ रोमांचक और	बाँटने से बढ़ते हैं।
(ग) रुको, पहले नौकरी मिल तो जाए	सदा अच्छा होता है।
(घ) मुझे इस बात की चिंता सताती थी	गंभीरतापूर्वक अध्ययन कर रही हो।
(ङ) ज्ञान और सीख प्रयोग या	चुनौतीपूर्ण कार्य करना चाहती थी।
(च) कठोर परिश्रम का फल	तब खुशी मनाना।

हुविकल्पीय प्रश्न :

ही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए।

5) पाठ के अनुसार गलती हो जाने पर लोग किसे दोष देते हैं?

<input type="radio"/> स्वयं को	<input type="radio"/> दूसरों को	<input type="radio"/> परिस्थितियों को
--------------------------------	---------------------------------	---------------------------------------

6) लेखिका को कौन-सी कक्षाओं को पढ़ाना था?

<input type="radio"/> पाँचवीं से सातवीं	<input type="radio"/> सातवीं से दसवीं	<input type="radio"/> नौवीं से बारहवीं
---	---------------------------------------	--

स्त्री शिक्षित हो जाए तो-

<input type="radio"/> परिवार शिक्षित हो जाता है	<input type="radio"/> वह घर सँभाल लेती है	<input type="radio"/> नौकरी कर लेती है
---	---	--

मे 'आई' प्रत्यय जोड़कर हम भाववाचक संज्ञा शब्द बनाते हैं निम्नलिखित

गृह कार्य----

दिए ,गए प्रश्नों को हल कर अपनी उत्तर पुस्तिका में साफ और सुंदर अक्षरों में लिखें |